सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में 'संविधान दिवस' मनाया गया।

जनता कॉलेज बकेवर इटावा में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ , राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में 'संविधान दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान की मूल प्रति पर पुष्प अर्पित करके किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ सत्यार्थ प्रकाश मौर्य ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संविधान के प्रारूप के बारे में बताया।कार्यक्रम के अध्यक्ष कालेज के प्राचार्य डॉ आर के त्रिपाठी ने संविधान की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि संविधान शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है जिसका अर्थ है समान विधान। जो सबके लिए समान है। हम सभी को अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से आए अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने संविधान सभा के गठन के बारे में बताया कि जब देश आजाद हुआ तो देश को चलाने के लिए संविधान नहीं था। सन् 1946 में संविधान सभा का गठन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ भीमराव अम्बेडकर, सच्चिदानंद सिन्हा, हरेंद्र कुमार मुखर्जी, बी टी कृष्णमचारी, बी एल राव आदि थे। उन्होंने कहा कि संविधान बनाने में 2 वर्ष, 11माह, 18 दिन लगा। आज के दिन 26 नवंबर 1949 को संविधान बनकर तैयार हुआ और 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पधारे राजेंद्र बाबू त्रिपाठी ने संविधान के मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तार से चर्चा किया। कार्यक्रम में शस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई और समता , समानता, बन्धुत्व भाई चारा तथा पंथनिरपेक्षता पर अपनी बात रखी। उन्होंने संविधान प्रारुप समिति के सदस्यों को याद करते हुए बताया कि संविधान दिवस मनाने पर इनके योगदान को याद किये बिना अधूरा है। मुख्य रूप से डॉ भीमराव अम्बेडकर, के एम मुंशी, मोहम्मद सादुल्ला, एन जी अय्यंगर, बी एल मिस्टर एवं डी पी खेतान आदि को नमन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ डीजे मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में डॉ आदित्य कुमार , राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनोज यादव, डॉ संजीव कुमार, डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ ज्योति भदौरिया, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ अभिषेक प्रताप सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर दिलायी गई संविधान की शपथ

चेतना ब्यूरो कार्यालय

बकेवर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ जी के निर्देश पर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश विनय कुमार द्विवेदी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जसवीर सिंह यादव के संयोजन में जनता कॉलेज बकेवर में संविधान अंगीकार दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाकर संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इटावा से पधारे मुख्य अतिथि अश्वनी त्रिपाठी ने कहा कि भारत के विद्वानों, मनीषियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के द्वारा संविधान के निर्माण में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन का समय लगा। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र बाबू त्रिपाठी ने बताया कि संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी कालेज के प्राचार्य डॉ.राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि संविधान शब्द संस्कृत के सम से बना है, यह सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था की बात करता है उन्होंने कहा हमारे संविधान को बचाए रखने की चुनौती युवाओं के ऊपर है हमें निश्चित रूप से संविधान का पालन करते हुए किसी के भी साथ भेदभाव नहीं करना है, विशिष्ट अतिथि राजेंद्र बाबू त्रिपाठी द्वारा संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाईगयी। राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ.दिव्य ज्योति मिश्र, संयोजक डॉ. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉ.एम पी सिंह, एन.सी.सी. अधिकारी ब्रह्मानंद शर्मा,एन.एस.एस. अधिकारी डॉ.मनोज कुमार यादव, डॉ. ज्योति भदौरिया, डॉ.इंदु बाला मिश्रा डॉ.प्रकाश दुबे, पुस्तकालय अध्यक्ष रामदास बर्मा, अरविन्द चौधरी,आकाश चौधरी,अश्वनी मिश्र, अजीत अग्निहोत्री, देवेश चतुर्वेदी, पंकज दुबे, एन सी सी और एन एस एस के छात्र और छात्राओं सहित कॉलेज के कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा किया गया।